भूस्खलन से बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भूस्खलन के कारण **भारत-चीन सीमा** को जोड़ने वाला **ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग** तथा **कर्णप्रयाग-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया।**

मुख्य बिंदु

- **भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से पागलनाला, पातालगंगा और नंदप्रयाग में राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है।**
- **ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग:** नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क **के भीतर एक ऊँची पहाड़ी सड़क, जो ज्योतिर्मठ (1,934 मीटर) और मलारी (3,033 मीटर) को जोड़ती है।**
- **धौलीगंगा नदी** के किनारे अत्यधिक ढलान और कई घुमावदार मोड़ हैं, जो सर्दियों में बर्फबारी एवं नदी के बाढ़ के कारण समय-समय पर क्षति का सामना करते हैं।
- **धौलीगंगा:** इसका उद्गम **वसुधारा ताल** से होता है, जो संभवतः उत्तराखंड की सबसे बड़ी हिमनद झील है।
- धौलीगंगा **अलकनंदा** की महत्त्वपूर्ण सहायक नदियों में से एक है, अन्य सहायक नदियाँ नंदाकिनी, पिंडर, मंदाकिनी और भागीरथी हैं।
- यह **विष्णुप्रयाग** में अलकनंदा में मिल जाती है।
- **नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान:** भारत के उत्तराखंड में **नंदा देवी (7,816 मीटर)** की चोटी के आस-पास स्थित; इसमें **नंदा देवी अभयारण्य** शामिल है, जो चोटियों से घिरा एक हिमनद बेसिन है और **ऋषि गंगा** द्वारा अपवाहित है।
- **वर्ष 1982 में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के रूप में स्थापित, इसका नाम बदलकर नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान कर दिया गया; वर्ष 1988 में इसे** UNESCO विश्व धरोहर स्थल **के रूप में अंकित किया गया।**

भूस्खलन

- **भूस्खलन गुरुत्वाकर्षण** के कारण **ढलान से नीचे चट्टान, धरती या मलबे** की गति है, जो अक्सर **भारी बारिश, भूकंप** या ढलान की अस्थिरता जैसे कारकों से शुरू होती है। इसके परिणामस्वरूप **सामग्री का विस्थापन** होता है, जिससे महत्त्वपूर्ण क्षति और विनाश हो सकता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/landslides-block-badrinath-national-highway